प्लेग के देवता की विदाई : 18 वाँ न्यूज़लेटर (2020)

Ελληνικά

Li Zhong, Medical workers putting on their gowns to fight the 'evil' virus, 2020.

प्यारे दोस्तों,

ट्राईकॉन्टिनेंटल : सामाजिक शोध संस्थान की ओर से अभिवादन।

30 जून 1958 को माओ त्से-तुंग ने रेनमिन रिबाओ (पीपुल्स डेली) में पढ़ा कि शिस्टोसोमियासिस-या बिलहार्ज़िया को जियांग्शी प्रांत के युकियांग में ख़त्म कर दिया गया है। वो इससे इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने 'प्लेग के देवता की विदाई' नामक एक **कविता** लिखी :

सैकड़ों गाँव मातम से झुलस गए, लोग बर्बाद हो गए ;

हज़ारों घर वीरान हुए, भूत विलाप करते रहे।

…

हम प्लेग के देवता से पूछते हैं, 'तुम कहाँ बंधे हो ?'
जलती हुई काग़ज़ की कश्तियों और मोमबत्ती से आसमान रौशन है।

माओ हुनान प्रांत के शाओशान में बड़े हुए थे, इसलिए वे बिलहार्ज़िया के आतंक और सैकड़ों वर्षों से ग्रामीण चीन को बर्बाद करने वाले समयबद्ध तरीक़े से आने वाले प्लेग के प्रकोप को भी जानते थे। प्लेग से मारे गए शि दाओनन (1765-1792) ने शक्तिशाली कविता 'चूहों की मौत' लिखी थी :

लोग भूत से दिखते हैं।
भूत मानवीय आत्मा के ख़िलाफ़ संघर्ष कर रहे हैं।
दिन के उजाले में मिले लोग वास्तव में भूत हैं।
शाम के समय सामने आने वाले भूत वास्तविक लोग हैं।

कम्युनिस्ट बीमारी मिटाने के लिए दृढ़-संकल्पित थे। 1930 के दशक में माओ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सार्वजनिक

स्वास्थ्य आयोग में शामिल हो गए। 1934 में, जब वो जियांग्सी सोवियत में थे, तब माओ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य को पार्टी के कामों की सूची में सबसे ऊपर रखा। जब कम्युनिस्ट यान'न में थे, तब उनकी सरकार ने अपने बजट का 6 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य समिति के स्वास्थ्य-देखभाल कार्य के लिए आवंटित किया। करोड़ों लोगों के सामाजिक जीवन को नकारने वाली पुरानी व्यवस्था को पलटना ज़रूरी था; इसके लिए केवल राज्य सत्ता पर क़ाबिज़ होना काफ़ी नहीं था, बल्कि जन-अभियान भी ज़रूरी थे।

शहरी स्वच्छता, 1952

1950 में, चीन की नयी कम्युनिस्ट सरकार ने पहली राष्ट्रीय स्वास्थ्य कांग्रेस का आयोजन किया, जिसने चार प्रमुख सिद्धांतों को अपनाया:

1. स्वास्थ्य कर्मचारियों को मुख्य रूप से किसानों और श्रमिकों के जन-समूहों की सेवा करनी चाहिए।
2. रोग निवारण प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए।
3. पारंपरिक और आधुनिक डॉक्टरों को समान रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
4. चिकित्सा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर स्वास्थ्य-कार्य किया जाना

चाहिए।

मार्च 1952 में कम्युनिस्ट पार्टी ने एक महामारी निवारण समिति बनाई और देशभक्त जन स्वास्थ्य अभियान शुरू किया। एन्सेफेलोमाइलाइटिस, मलेरिया, खसरा, टाइफ़ाइड और बिलहार्ज़िया को काफ़ी हद तक नियंत्रित या ख़त्म कर दिया गया। ये अभियान अंततः 1978 की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर अल्मा अता **घोषणा** का आधार बना। 5 जुलाई 2017 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने उस अभियान के लिए चीन की सरकार को स्वास्थ्य शासन प्रणाली का उत्कृष्ट मॉडल पुरस्कार **दिया**।

应当积极地预防和医治人民的疾病，推广人民的医药卫生事业。
毛泽东
高举毛泽东思想伟大红旗积极行动起来预防呼吸道传染病
伟大领袖毛主席教导我们说："革命战争是群众的战争，只有动员群众才能进行战争，只有依靠群众才能进行战争。"为了积极贯彻毛主席"预防为主"的方针，保护广大劳动人民的身体健康，更有利于"抓革命，促生产，促工作，促战备。"我们必须高举毛泽东思想伟大红旗，突出无产阶级政治，充分发动群众，积极行动起来，打一场人民战争，全民协力做好今冬明春呼吸道传染病的预防工作，确保人人身体健康，精力充沛，积极地投入到三大革命运动中去，为中国革命和世界革命作出更大的贡献。
呼吸道传染病是怎样传播的？
病人
健康人
麻疹
流行性脑脊髓膜炎
简称"流脑"
得了麻疹怎样护理
流行性感冒
简称"流感"
坚决贯彻预防为主的方针
经常开窗通风换气，保持室内空气流通。
传染病流行时，不要串门探亲或赶集。
怎样预防呼吸道传染病？
注意寒暖，增减衣服，防止受凉。
传染病流行时外出要带口罩。
为人民服务
毛泽东
有病人立即向卫生防疫站或医院报告。
预防传染病发生要接受预防注射
常锻炼身体增强抗病能力。
有病要早隔离治疗才能早日恢复健康。
中草药验方
预防流感方：
预防流脑方：
预防麻疹方：
請宣传　請張貼
济南市卫生防疫站革命委员会制　一九七〇年十二月

श्वसन की बीमारियों को रोकने के लिए कार्रवाई करें, 1970

चीन में जीवन स्तर का सुधार कर प्लेग और हैज़ा जैसे पुराने रोगों को काफ़ी हद तक ख़त्म कर दिया गया है ; लेकिन नयी बीमारियाँ आ रही हैं, और इनमें से कुछ विनाशकारी भी हैं। नया कोरोनावायरस इनमें से एक है, और यही आज के द ग्रेट लॉकडाउन का रचनाकार है। वायरस का पहला वास्तविक सबूत दिसंबर के अंत में वुहान के डॉक्टरों को मिला। उन्होंने इसकी सूचना अपने अस्पताल प्रशासकों को दी, जिन्होंने आगे राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोगों को इसके बारे में सूचित किया। कुछ ही दिनों के भीतर, चीन की सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को इसकी सूचना दे दी थी। बीमारी सामने आने के कुछ हफ़्तों में ही, सरकार ने वुहान शहर सहित हुबेई प्रांत को बंद कर दिया, और संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए राज्य-संसाधन जुटाए व जन-कार्यवाइयाँ शुरू कीं। 1950 के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कांग्रेस के चार सिद्धांत वायरस के मुक़ाबले में चीन के लिए मददगार रहे।

WHO ने जनवरी के शुरुआत में दुनिया को वायरस के घातक होने की चेतावनी दे दी थी और 30 जनवरी को सार्वजनिक आपातकाल की **घोषणा** कर दी थी। उसी दिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने **कहा** कि, 'हमें लगता है कि हमारे यहाँ यह बहुत अच्छी तरह से नियंत्रण में है।' बुर्जुआ सरकारें ठोस वैज्ञानिक तथ्यों की बजाये अनुमान के आधार पर निर्णय लेती रहीं और अपने चैंपियनों – जैसे कि ट्रम्प और ब्राज़ील के जयेर बोल्सोनारो- की जय-जयकार करती रहीं। जनवरी, फ़रवरी और मार्च के महीनों में, ट्रम्प ख़तरे को कम करके बताते रहे। उनका ट्विटर फ़ीड इसके आवश्यक साक्ष्य उपलब्ध कराता है। 9 मार्च को, ट्रम्प ने वायरस की तुलना सामान्य फ़्लू से की। उन्होंने **लिखा**, 'इसके बारे में सोचें!' दो दिन बाद, WHO ने वैश्विक महामारी की घोषणा कर दी। 13 मार्च को ट्रम्प ने राष्ट्रीय आपातकाल की **घोषणा** की WHO के द्वारा सार्वजनिक आपातकाल घोषित किए जाने के छह सप्ताह बाद।

इन सबके बावजूद, ट्रम्प ने इस संकट के प्रति एक ख़तरनाक प्रतिक्रिया देनी शुरू की। उन्होंने संकट के लिए वायरस या

उत्तरी अटलांटिक राज्यों में राज्य संस्थानों के पतन और उनकी सरकारों की अक्षमता को दोषी ठहराने की बजाये चीन पर (और WHO को) इल्ज़ाम लगाना शुरू कर दिया।

मेरे सहयोगियों वेयान ज़ू, दू ज़ियाओजुन, और मैंने शोध किया है कि चीन के अधिकारियों को वायरस के बारे में पता कैसे चला, वायरस के बारे में जानकारी WHO और दुनिया के पास कैसे पहुँची, और कैसे चीन संक्रमण की शृंखला को तोड़ने में सक्षम रहा। ख़ासकर चीनी स्रोतों पर आधारित हमारा शोध ट्रम्प और अन्य बुर्जुआ सरकारों के ज़ेनोफ़ोबिया (चीन के लोगों के प्रति नफ़रत) का प्रतिकार प्रस्तुत करता है। हमारे विश्लेषण के केंद्र में कोरोना आपदा की अवधारणा है। यह शब्द इस बात को संदर्भित करता है कि कैसे एक वायरस ने पूरी दुनिया को भयावह तरीक़े से जकड़ लिया है। यह संदर्भित करता है कि बुर्जुआ राज्यों में सामाजिक व्यवस्था कैसे चरमरा गई हैं, जबकि दुनिया के समाजवादी हिस्सों की सामाजिक व्यवस्था संकट के इस समय में भी क़ायम है।

कृपया हमारी पुस्तिका पढ़ें, जिसे आप हमारी वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं या **डाउनलोड** कर सकते हैं।

नौरेडीन डेफल्लाह, इमाम-अल-जज़ौली को श्रद्धांजलि, 2014

डेमोक्रेटिक वे (मोरक्को) के एक नेता अब्दुल्ला एल हरीफ़ ने इस सप्ताह कोरोना आपदा के बारे में मुझसे बात की।

[illegible] -19 [illegible]?

[illegible]

वायरस पर चीन की प्रतिक्रिया को आप कैसे समझते हैं?

[illegible]

[illegible]

आप भविष्य की क्या उम्मीद करते हैं?

[illegible]

रोजर वाटर्स, क्या हम 'चैन से सुन्न' पड़े हैं ?, 29 अप्रैल 2020

मेरे साथ हाल में हुई बातचीत के दौरान, पिंक फ़्लॉइड के क्रांतिकारी संगीतकार रोजर वाटर्स ने अब्दुल्ला हरीफ़ की बात दोहराई कि मानवता बर्बरता या सहयोग में से कोई एक चुनने की दुविधा में है। 'बजाय एक दूसरे से लड़ने के, एक दूसरे का सहयोग करते हुए ही' उन्होंने कहा कि 'हम आगे बढ़ सकेंगे और इस नाज़ुक ग्रह को बचा सकेंगे जिसे हम अपना घर कहते हैं'।

शंघाई के एक चित्रकार ली झोंग ने अपने डेढ़ महीने के क्वारंटाइन के दौरान वुहान के श्रमिकों और लोगों के सम्मान में 129 वाटरकलर पेंटिंग बनाईं – हर दिन दो से ज़्यादा। उनकी पेंटिंग से चीन और कोरोना आपदा पर हमारी पुस्तिका (जिसे आप यहाँ **पढ़** सकते हैं) सुशोभित है। टिंग्स चक, हमारी प्रमुख डिज़ाइनर, शंघाई में ली झोंग से मिलीं; उनकी बातचीत पुस्तिका के अंत में छपी है। कलाकारों को क्या करना चाहिए ? टिंग्स ने ली झोंग से पूछा। 'वे स्थिति को सकारात्मक रूप से दर्शा सकते हैं', झोंग ने कहा। 'उन्हें सच्चा होना चाहिए। अन्य देशों को दोष न दें या ग़लत जानकारी न फैलाएँ, क्योंकि सबसे बड़ी चुनौती वायरस को हराना है, जिसके लिए हमारी एकजुटता की ज़रूरत है।'

कोरोना के देवता को विदाई, हम गाना चाहते हैं; ग्रेट लॉकडाउन को विदाई।

स्नेह-सहित,

विजय।